Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

भूगोल

भारत भौतिक पर्यावरण

अध्याय-4 : जलवायु

भाग - 9

भारत में वर्षा का वितरण

ओम प्रकाश खोजा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



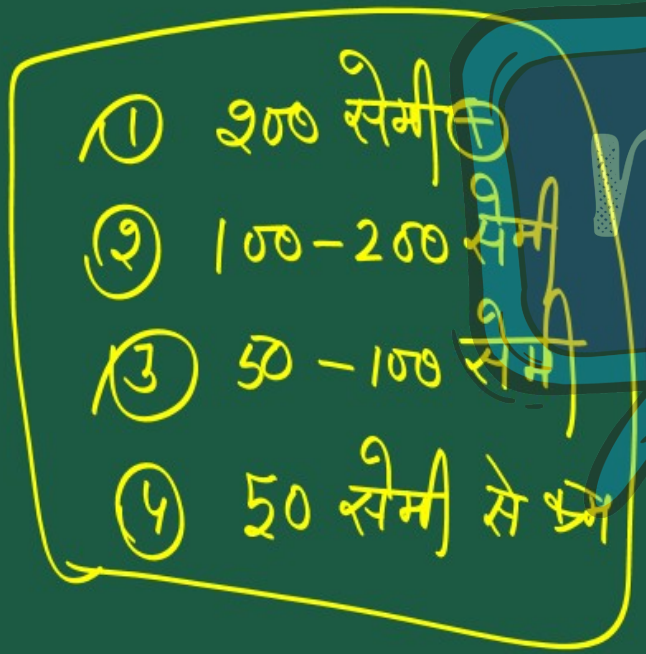
1. मानसून जलवायु में एकरूपता एवं विविधता
2. भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक
3. भारतीय मानसून-I
4. भारतीय मानसून-II
5. शीत ऋतु
6. ग्रीष्म ऋतु
7. दक्षिण-पश्चिमी मानसून की ऋतु (वर्षा ऋतु)
8. मानसून के निवर्तन की ऋतु
9. भारत में वर्षा का वितरण
10. भूमंडलीय तापन

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

भारत में वर्षा का वितरण

औसत वार्षिक वर्षा → 125 सेंटीमीटर

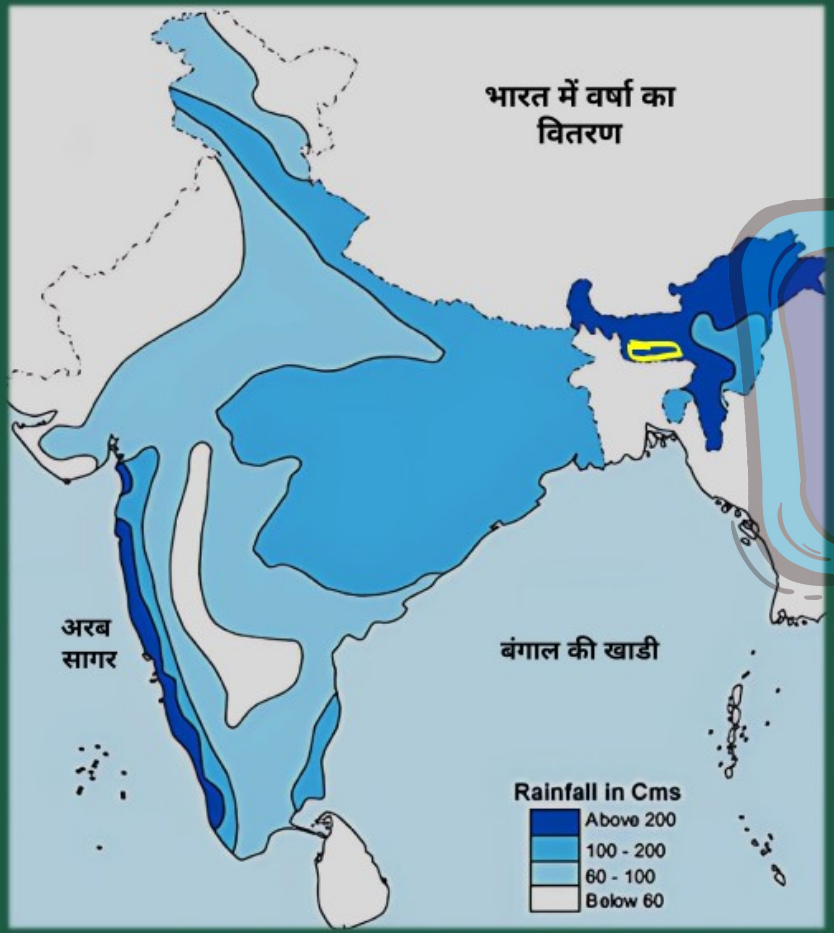


क्षेत्रीय विभिन्नताएँ

1. अधिक वर्षा वाले क्षेत्र
2. मध्यम वर्षा के क्षेत्र
3. न्यून वर्षा के क्षेत्र
4. अपर्याप्त वर्षा के क्षेत्र

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अधिक वर्षा वाले क्षेत्र

- वर्षा – 200 सेंटीमीटर से अधिक
- क्षेत्र
  - पश्चिमी तट
  - पश्चिमी घाट → का पश्चिमी ढाल
  - उत्तर-पूर्व के उप-हिमालयी क्षेत्र
  - मेघालय की पहाड़ियाँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

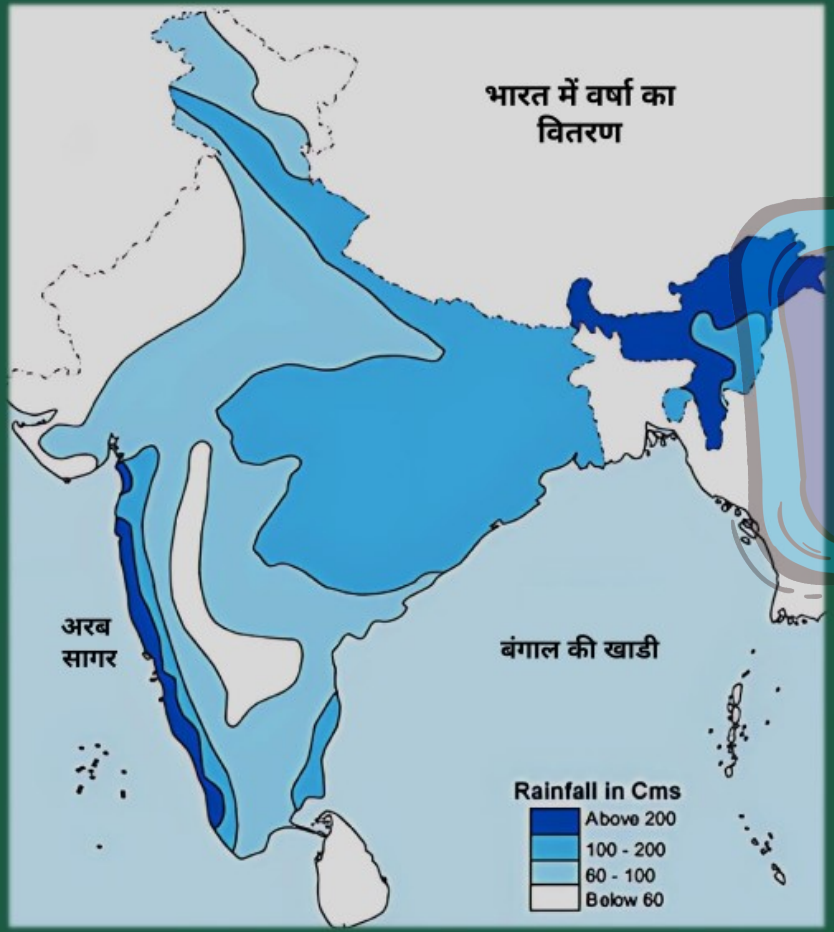
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- खासी और जयंतिया पहाड़ियों के कुछ भागों में वर्षा 1000 सेंटीमीटर से भी अधिक
- ब्रह्मपुत्र घाटी तथा निकटवर्ती पहाड़ियों पर वर्षा 200 सेंटीमीटर से भी कम



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



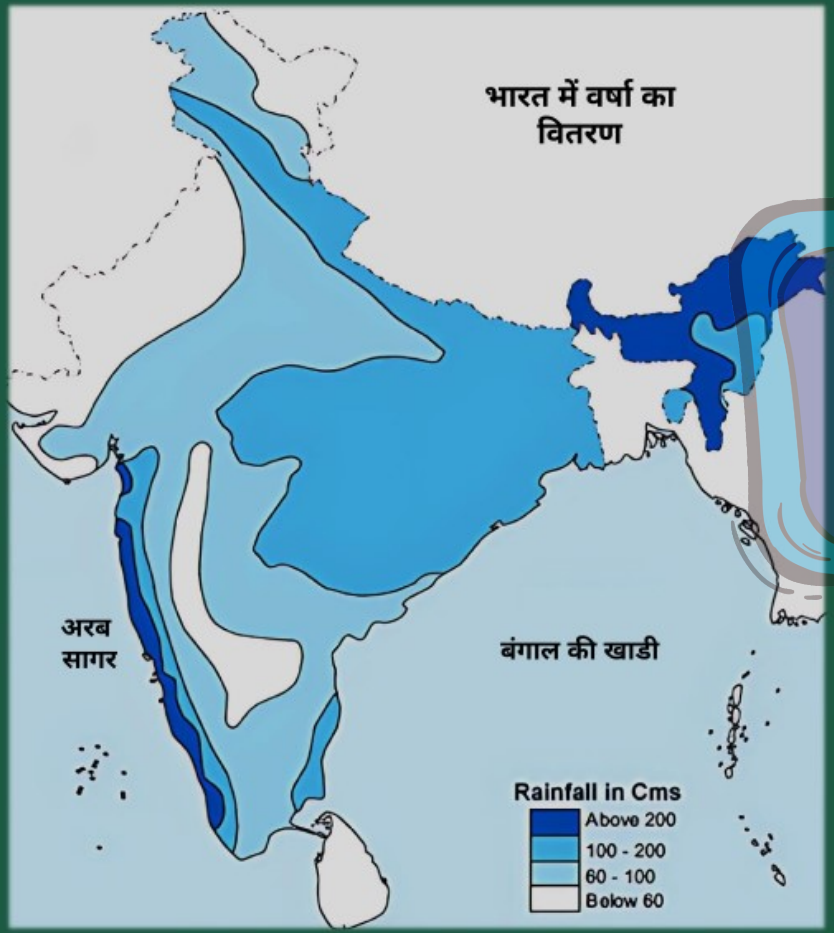
मध्यम वर्षा के क्षेत्र

- वर्षा – 100 से 200 सेंटीमीटर
- क्षेत्र

गुजरात के दक्षिणी भाग, पूर्वी तमिलनाडु, ओडिशा, उत्तर-पूर्वी प्रायद्वीप, झारखंड, बिहार, पूर्वी मध्य प्रदेश, उपहिमालय, गंगा का उत्तरी मैदान, कछार घाटी, मणिपुर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

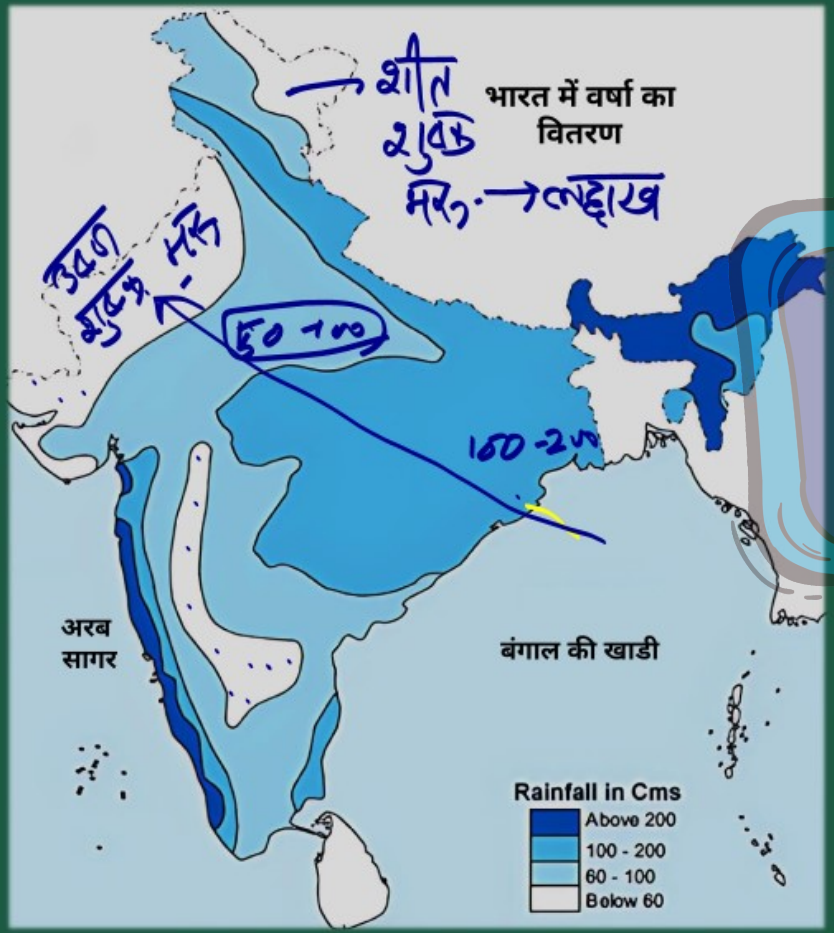


न्यून वर्षा के क्षेत्र

- वर्षा – 50 से 100 सेंटीमीटर
- क्षेत्र
  - पश्चिमी उत्तर प्रदेश
  - दिल्ली
  - हरियाणा–पंजाब
  - जम्मू व कश्मीर
  - पूर्वी राजस्थान व गुजरात
  - दक्कन का पठार

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

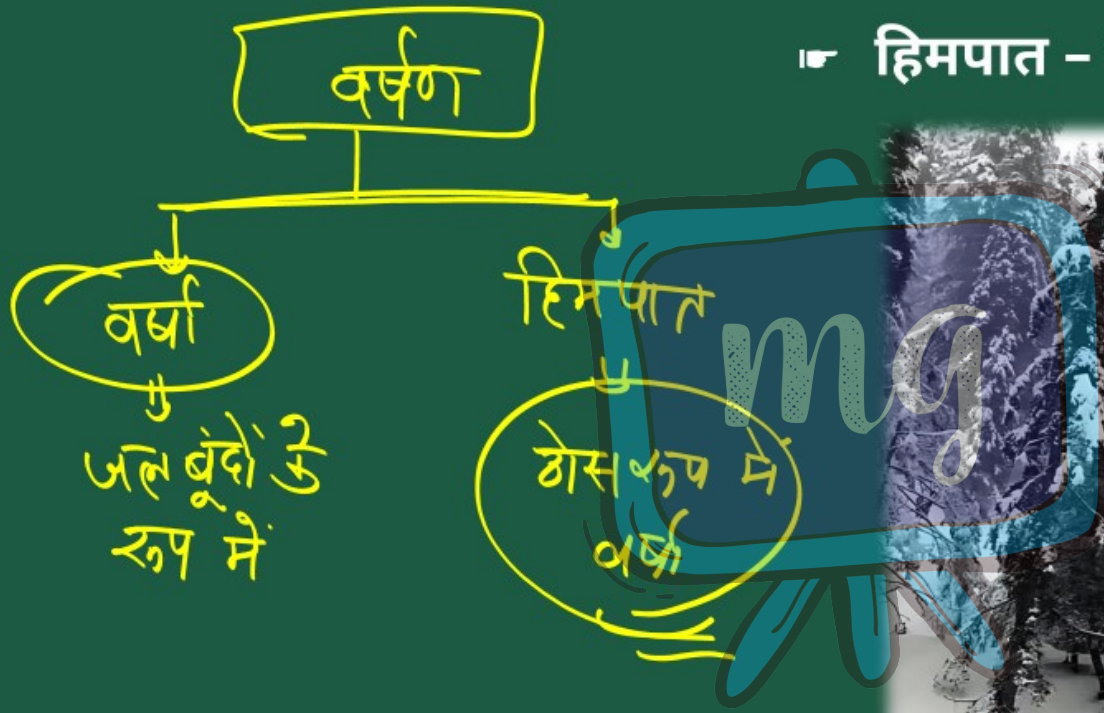


अपर्याप्त वर्षा के क्षेत्र

- वर्षा – 50 सेंटीमीटर से कम
- क्षेत्र
  - पश्चिमी घाट के वृष्टि छाया प्रदेश- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र
  - लद्दाख और पश्चिमी राजस्थान

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



☛ **हिमपात** – हिमालयी क्षेत्रों तक सीमित



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानसून और भारत का आर्थिक जीवन



1. भारत की 64 प्रतिशत जनता भरण-पोषण के लिए खेती पर निर्भर
2. हिमालयी प्रदेशों के अतिरिक्त शेष भारत में वर्ष भर यथेष्ट गर्मी रहती है, जिससे सारा साल खेती की जा सकती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. मानसून जलवायु की क्षेत्रीय विभिन्नता नाना प्रकार की फसलों को उगाने में सहायक है।
4. वर्षा की परिवर्तनीयता के कारण सूखा अथवा बाढ़ की स्थिति





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5. भारत में कृषि की समृद्धि वर्षा के सही समय पर आने तथा उसके पर्याप्त वितरित होने पर निर्भर

6. मानसून के अचानक प्रस्फोट से देश के व्यापक क्षेत्रों में मृदा अपरदन की समस्या उत्पन्न



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. उत्तर भारत में शीतकालीन वर्षा रबी की फसलों के लिए अत्यंत लाभकारी

8. भारत की जलवायु की क्षेत्रीय विभिन्नता भोजन, वस्त्र और आवासों की विविधता में उजागर होती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. भारत में वर्षा का वितरण
2. मानसून का भारत के आर्थिक जीवन पर प्रभाव



1 ब्रह्मपुत्र घटी में वर्षा होती है–

अ 400 सेमी.

ब 200 सेमी. से कम

स 200 सेमी. से अधिक

द 400 सेमी. से अधिक





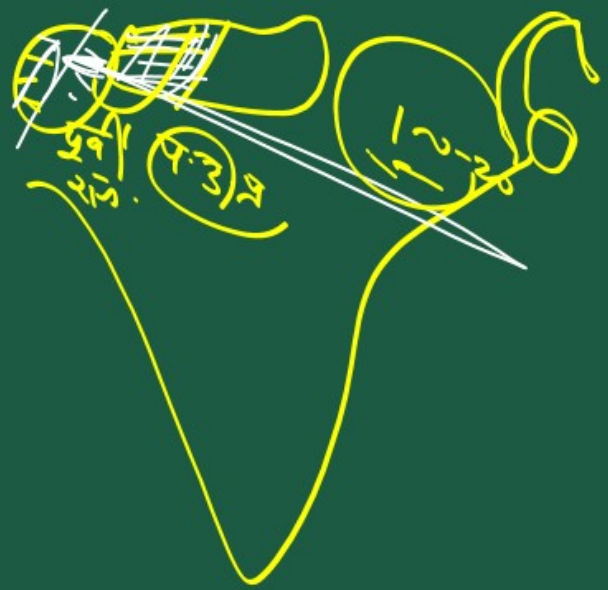
2 पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वर्षा होती है–

अ 200 सेमी. से अधिक

ब 100 – 200 सेमी.

स 50 – 100 सेमी.

द 50 सेमी. से कम



3 पश्चिमी घाट में कितनी वर्षा होती है?

अ 200 सेमी. से अधिक

ब 100 – 200 सेमी.

स 50 – 100 सेमी.

द 50 सेमी. से कम

